

(1) सूची-I को सूची-II के साथ मिलान कीजिए ?

सूची-I	सूची-II
(1) चक्रपाणि	(A) 9 वीं सदी
(2) जेज्जट	(B) 13 वीं सदी
(3) शारंगधर	(C) 12 वीं सदी
(4) डल्डण	(D) 11 वीं सदी
(a) (1) – D, (2) – C,	(3) – A, (4) – B
(b) (1) – D, (2) – A,	(3) – B, (4) – C
(c) (1) – B, (2) – A,	(3) – D, (4) – C
(d) (1) – C, (2) – B,	(3) – D, (4) – A

(2) वैद्यक शब्द सिन्धु किसकी रचना है ?

- (a) वामन गणेश देसाई
- (b) प्रियव्रत शर्मा
- (c) उमेश चन्द्र गुप्त
- (d) कीर्तिकर व वासु

(3) चोपडा कमेटी की स्थापना किसने की ?

- (a) के. एन. उड्डुपा
- (b) सी. जी. पण्डित
- (c) के. एम. नाडकर्णी
- (d) यादवजी त्रिक्रम जी

(4) अष्टांग संग्रह के अनुसार प्रजोत्पादन हेतु पुरुष एवं स्त्री की आयु क्रमशः कितनी होनी चाहिए ?

- (a) पुरुष – 21 वर्ष, स्त्री – 18 वर्ष
- (b) पुरुष – 25 वर्ष, स्त्री – 16 वर्ष
- (c) पुरुष – 20 वर्ष, स्त्री – 16 वर्ष
- (d) पुरुष – 25 वर्ष, स्त्री – 18 वर्ष

(5) 'त्रिफला तिमिरघ्नाः' – उक्त कथन किसका है।

- (a) चरक
- (b) सुश्रुत
- (c) वाग्भट्ट
- (d) भावप्रकाश

(6) स्याद्वाद किस दर्शन से सम्बंधित है ?

- (a) जैन
- (b) बौद्ध
- (c) मीमांसा
- (d) वेदान्त

(7) जैन दर्शन के अनुसार पदार्थों की संख्या है ?

- (a) 2
- (b) 6
- (c) 7
- (d) 8

- (8) दिशाओं की संख्या है ?  
(a) 4  
(b) 8  
(c) 10  
(d) 12
- (9) अनुपलब्धि प्रमाण को निम्न में से किस दर्शन ने माना है ?  
(a) वेदान्त  
(b) वैशेषिक  
(c) सांख्य  
(d) ) बौद्ध
- (10) ऋषिक्लिष्ट निम्न में से किससे सम्बन्धित है ?  
(a) कल्पना  
(b) अर्थाश्रय  
(c) तंत्रदोष  
(d) ताच्छील्य
- (11) चरक और सुश्रुत के अनुसार संधियों की संख्या क्रमशः है –  
(a) 210, 200  
(b) 200, 210  
(c) 300, 360  
(d) 360, 300
- (12) विशल्यघ्न मर्म किस दोष से सम्बन्धित है –  
(a) वायु  
(b) पित्त  
(c) कफ  
(d) रक्त
- (13) गलगण्ड रोग में सिरावेध का स्थान है –  
(a) जानुमूल  
(b) गुल्फ  
(c) उरुमूल  
(d) ग्रीवापृष्ठ
- (14) शल्य विषयार्थ कहा गया है –  
(a) वस्ति  
(b) षट्चक्र  
(c) मर्म  
(d) अनिकर्म
- (15) स्कन्ध त्रय है –  
(a) हेतु, लिङ्ग, औषध  
(b) वात, पित्त, कफ  
(c) सत्त्व, आत्मा, शरीर  
(d) आहार, निद्रा, ब्रह्मचर्य
- (16) संघात एवं सीमान्त की क्रमशः संख्या है –  
(a) 14, 6  
(b) 14, 14  
(c) 4, 14  
(d) 6, 4

(17) अकृशमुत्तम्बलम् यह लक्षण किस सार से संबंधित है –

- (a) शुक्रसार
- (b) मांससार
- (c) मेदसार
- (d) मज्जासार

(18) 'धमनी शैथिल्य' निम्न में से किसका लक्षण है –

- (a) रक्तक्षय
- (b) मांसक्षय
- (c) मेदक्षय
- (d) मज्जाक्षय

(19) क्रियासन्निरोधश्च किसका लक्षण है ?

- (a) बलभ्रंश
- (b) ओज विस्त्रंस
- (c) ओज व्यापत
- (d) ओजक्षय

(20) पित्त का प्राकृतिक रस है –

- (a) अम्ल
- (b) तिक्त
- (c) कटु
- (d) कषाय

(21) 'योगश्चित्तवृत्तिनिरोधः' यह उक्ति है –

- (a) गीता
- (b) योगसूत्र
- (c) महाभारत
- (d) घेरण्ड संहिता

(22) चन्द्र नाडी से सम्बन्धित है –

- (a) इडा
- (b) पिंगला
- (c) सुषुम्ना
- (d) गान्धारी

(23) जल चिकित्सा के जनक थे –

- (a) विंसेट प्रिंस
- (b) एडोल्फ जस्ट
- (c) लुई कुइने
- (d) मैकडोनाल्ड

(24) आहारमात्रा किसकी अपेक्षा करती है –

- (a) शरीर बल
- (b) अग्निबल
- (c) पाचक पित्त
- (d) ओज

- (25) आदान काल से सम्बन्धित ऋतु है –  
 (a) वर्षा, शरद, हेमन्त  
 (b) ग्रीष्म, वर्षा, शरद  
 (c) शिशिर, बंसत, ग्रीष्म  
 (d) ग्रीष्म, शरद, हेमन्त
- (26) द्रव्यगुण विज्ञान के पदार्थ कितने है ?  
 (a) 5  
 (b) 6  
 (c) 7  
 (d) 8
- (27) राज निघण्टुकार के औषधियों का नामकरण के आधार थे –  
 (a) 6  
 (b) 7  
 (c) 8  
 (d) 9
- (28) तैलवर्ग एवं मधुवर्ग किसकी देन है ?  
 (a) चरक  
 (b) सुश्रुत  
 (c) वाग्भट्ट  
 (d) प्रियव्रत शर्मा
- (29) वृष्य एवं वातहर द्रव्य है ?  
 (a) एरण्ड  
 (b) कपिकच्छू  
 (c) आमलकी  
 (d) अश्वगंधा
- (30) *Cassia fistula* किसका लैटिन नाम है ?  
 (a) चक्रमर्द  
 (b) सनाय  
 (c) आरग्वध  
 (d) किसी का भी नहीं
- (31) वज्रमूषा का प्रयोग करते हैं –  
 (a) सत्वद्रवनार्थ  
 (b) सत्वपातनार्थ  
 (c) स्वेदनार्थ  
 (d) सत्वनिहर्णार्थ
- (32) "गंगातोयविदुच्छवि" किसके सन्दर्भ में आया है ?  
 (a) माणिक्य  
 (b) स्फटक  
 (c) हीरक  
 (d) पुष्पराग

- (33) Green Vitrol है ?
- सस्यक
  - सौवीरान्जन
  - कासीस
  - वैक्रान्त
- (34) चरकानुसार क्षार निर्माण में प्रयुक्त जल की मात्रा होनी चाहिए –
- 4 गुना
  - 8 गुना
  - 6 गुना
  - 16 गुना
- (35) 'विरलद्रवाः' किसके संदर्भ में कहा गया है ?
- मण्ड
  - पेया
  - यवागू
  - विलेपी
- (36) उपशय के प्रकार है –
- 14
  - 12
  - 18
  - 16
- (37) वृश्चिक दंशवत पीडा किसमें मिलता लक्षण है –
- वातरक्त
  - आमवात
  - संधिवात
  - क्रोष्टुकशीर्ष
- (38) काण्डेक्षुरससंकाशम् मूत्रत्याग – किस व्याधि का लक्षण है ?
- उदकमेह
  - इक्षुबालिकारसमेह
  - शीतमेह
  - मधुमेह
- (39) 'ख' वैगुण्य आवश्यक होता है ?
- स्रत्रोदुष्टि
  - स्थान संश्रय
  - दोषदूष्य सम्मूर्च्छना
  - उपर्युक्त सभी
- (40) निम्न में किस कुष्ठ में वात की प्रधानता होती है ?
- कपाल कुष्ठ
  - परिसर्प कुष्ठ
  - विचर्चिका
  - अ, स दोनों

- (41) राजयक्ष्मा के षड्रूप में नहीं है –
- कास
  - रक्तपित्त
  - ज्वर
  - अरूचि
- (42) वातिक छर्दि में निषेध है –
- लंघन एवं स्तम्भन
  - स्तम्भन एवं वमन
  - लंघन एवं शोधन
  - वमन और उपवास
- (43) “दोषवेगे च विगते सुप्तवत प्रतिबद्धते” किसके लिए वर्णित है ?
- उन्माद
  - अपस्मार
  - मदात्यय
  - उपर्युक्त सभी
- (44) पंचगव्य घृत का प्रयोग नहीं करते है ?
- कामला
  - अपस्मार
  - ज्वर
  - उपर्युक्त में से कोई नहीं
- (45) स्नेह वस्ति के व्यापद है –
- 10
  - 6
  - 12
  - उपर्युक्त में से कोई नहीं
- (46) ‘हृत्पीडन’ कौन से विष का लक्षण है –
- फल
  - पुष्प
  - क्षीर
  - धातु
- (47) चरक, सुश्रुत के अनुसार स्थावर विष के वेग होते है क्रमशः –
- 7, 8
  - 8, 7
  - 8, 8
  - 7, 7
- (48) विष चिकित्सा चरक के किस चतुष्क में वर्णित है –
- भेषज चतुष्क
  - रोग चतुष्क
  - कल्पना चतुष्क
  - उपर्युक्त में से कोई नहीं

(49) Rule of Nine सम्बन्धित है –

- (a) Abrasion
- (b) Burn
- (c) Frost bite
- (d) Heat Stroke

(50) I P C 376 सम्बन्धित है –

- (a) Dowry
- (b) Illegal medical Practice
- (c) Rape
- (d) Murder

(51) 'मैत्रीकारुण्यमार्तेषु' ये गुण है –

- (a) राजार्ह वैद्य
- (b) उत्तम वैद्य
- (c) सिद्धसाधित वैद्य
- (d) वैद्य वृत्ति

(52) आचार्य चरक के अनुसार लवण का कर्म है –

- (a) क्लेदयति
- (b) विष्यंदयति
- (c) पाचयति
- (d) कोई नहीं

(53) गूढलिङ्गव्याधि का अनुमान निम्न में से किससे करते है –

- (a) उपशय से
- (b) अनुपशय से
- (c) दोनों से
- (d) युक्ति से

(54) अग्निकर्म एवं क्षारकर्म निम्न में से किस धातु प्रदोषज विकार के लिए बताया गया है –

- (a) मेद प्रदोषज
- (b) मज्जा प्रदोषज
- (c) अस्थि प्रदोषज
- (d) मांस प्रदोषज

(55) निदानार्थकर रोगों के संदर्भ में निम्न में से कौन सा विकल्प सत्य है –

- (a) प्रतिश्याय → कास → क्षय
- (b) कास → प्रतिश्याय → क्षय
- (c) क्षय → प्रतिश्याय → कास
- (d) प्रतिश्याय → कास → शोष

(56) 'सर्वेन्द्रियाणि सर्वागावयव' गर्भिणी के किस माह में का लक्षण है –

- (a) द्वितीय
- (b) तृतीय
- (c) चतुर्थ
- (d) पंचम्

(57) गर्भिणी में उदावर्त रोग चिकित्सा करते है –

- (a) दीपन
- (b) निरूह वस्ति
- (c) अनुवासन वस्ति
- (d) उपर्युक्त सभी

(58) असाध्य आतर्व दोष है –

- (a) 3
- (b) 4
- (c) 5
- (d) 6

(59) 'दर्भसंस्तरशायनी' है –

- (a) ऋतुस्नाता
- (b) ऋतुमती
- (c) गर्भिणी
- (d) उपर्युक्त सभी

(60) किक्किस की चिकित्सा में प्रयोग करते है –

- (a) चन्दन
- (b) कोलोदक
- (c) मृणाल
- (d) उपर्युक्त सभी

(61) दन्तोत्पत्ति का कारण है –

- (a) रस एवं अस्थि
- (b) अस्थि एवं मज्जा
- (c) रक्त एवं मांस
- (d) मज्जा एवं मेद

(62) क्षीरान्नाद की औषधि मात्रा है –

- (a) कोल संमिता
- (b) कोलास्थि संमिता
- (c) द्विकोल सम
- (d) शुष्कामलक सम

(63) पारिगर्भिक की चिकित्सा है –

- (a) शोधन
- (b) अग्निदीपन
- (c) शमन
- (d) उपर्युक्त सभी

(64) दूधकट्टा है ?

- (a) पारिगर्भिक
- (b) बालशोष
- (c) फक्क रोग
- (d) कोई नहीं



- (65) 'ओष्ठभेद' है –  
 (a) खण्डौष्ठ  
 (b) सहज व्याधि  
 (c) वातज व्याधि  
 (d) उपर्युक्त सभी
- (66) जातं जातं जलं स्राव्यमेव किसके लिए कहा गया है ?  
 (a) वातोदर  
 (b) जलोदर  
 (c) छिद्रोदर  
 (d) बद्धगुदोदर
- (67) पिप्पली वर्धमान रसायन का प्रयोग बलवान आतुर में कौनसे स्वरूप में करना चाहिए –  
 (a) चूर्ण  
 (b) कल्क  
 (c) क्वाथ  
 (d) उपर्युक्त सभी
- (68) ज्वर की प्रवृत्ति है –  
 (a) रूद्रकोप  
 (b) परिग्रह  
 (c) Both  
 (d) None
- (69) लशुन क्षीर का रोगाधिकार है –  
 (a) उन्माद  
 (b) अपस्मार  
 (c) गुल्म  
 (d) कोई नहीं
- (70) एलादि गुटिका की मात्रा है –  
 (a) 1 अक्ष  
 (b) 1 कर्ष  
 (c) 1 तोला  
 (d) उपर्युक्त सभी
- (71) अत्यधिक प्रवृद्धावस्था में नेत्र एवं कर्ण को नष्ट कर देता है –  
 (a) अपतानक  
 (b) अर्द्धावभेदक  
 (c) शंखक  
 (d) None
- (72) रक्त के नस्य का निर्देश किसकी चिकित्सा में मिलता है –  
 (a) क्षयज शिरोरोग  
 (b) सूर्यावर्त  
 (c) कृमिज शिरोरोग  
 (d) सन्निपातज शिरोरोग

- (73) कौनसा लिंगनाश असाध्य नहीं है –
- (a) वातिक लिंगनाश
  - (b) पित्तज लिंगनाश
  - (c) कफज लिंगनाश
  - (d) रक्तज लिंगनाश
- (74) कार्पासी फलसन्निभम् लक्षण है –
- (a) गलशुण्डिका
  - (b) तुण्डीकेरी
  - (c) कपालिका
  - (d) उपर्युक्त सभी
- (75) सुश्रुतानुसार नेत्र रोग की संख्या है –
- (a) 4
  - (b) 76
  - (c) 96
  - (d) 94
- (76) 'कौब्जयं' किसका लक्षण है –
- (a) स्नायु विद्ध
  - (b) संधि विद्ध
  - (c) सिरा विद्ध
  - (d) मांस विद्ध
- (77) यन्त्रणा के कितने भेद होते हैं –
- (a) 4
  - (b) 5
  - (c) 3
  - (d) 2
- (78) 'शब्दप्रादुर्भावो' कौनसे दग्ध का लक्षण है –
- (a) मांसदग्ध
  - (b) सिरादग्ध
  - (c) स्नायुदग्ध
  - (d) त्वकदग्ध
- (79) कौन से भगन्दर में छिद्र स्राव होता है –
- (a) उष्ट्रग्रीव
  - (b) परिस्रावी
  - (c) शतपोतक
  - (d) शम्बूकार्वत
- (80) 'चित्रोत्थानप्रपाक' किस विद्रधि के लिए कहा गया है –
- (a) वातज
  - (b) पित्तज
  - (c) कफज
  - (d) सन्निपातज

“Answer Sheet”

PRE P.G. (AYURVED) Exam- 2010

Sub. Code - 1096/PAYD

SET-A

Qu.	Ans.	Qu.	Ans.	Qu.	Ans.	Qu.	Ans.	Qu.	Ans.	Qu.	Ans.	Qu.	Ans.	Qu.	Ans.
1	B	11	B	21	B	31	B	41	B	51	D	61	B	71	B
2	C	12	A	22	A	32	B	42	C	52	B	62	B	72	C
3	*	13	C	23	C	33	C	43	B	53	C	63	B	73	B
4	B	14	*	24	B	34	*	44	D	54	A	64	A	74	B
5	C	15	*	25	C	35	D	45	B	55	A	65	D	75	B
6	A	16	B	26	C	36	C	46	D	56	B	66	C	76	B
7	B	17	D	27	B	37	B	47	B	57	C	67	B	77	C
8	C	18	B	28	B	38	B	48	D	8	*	68	C	78	D
9	A	19	A	29	A	39	*	49	B	59	A	69	C	79	C
10	B	20	C	30	C	40	*	50	B	60	D	70	D	80	A

Note - \* sign means Question have been canceled after exam.